संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -256 बुधवार ,17 जुलाई 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

कलम बंद...का सत्रहवां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण ?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री विश्वभूषण हरिचंदन से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

क्या छत्तीसगढ़ सरकार का जनसंपर्क विभाग समाचार-पत्रों पर दवाब बनाने के लिए कर रहा है कार्य ?

» मुख्यमंत्री जी जवाब दीजिए...क्या जनसंपर्क विभाग पत्रकारों से संवाद के लिए है या उन्हें दबाने के लिए... ?

» विज्ञापन रोककर क्या जनसंपर्क विभाग नहीं कर रहा लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का अपमान... ?

» क्या सरकार की मंशा अनुरूप ही खबर प्रकाशन की है प्रदेश में अनुमति...क्या कमियां दिखाना है प्रतिबंधित... ?

-रवि सिंह-

अम्बिकापुर,16 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ में जनसंपर्क विभाग समाचार-पत्रों पर दवाब बनाने का कार्य कर रहा है जो दैनिक घटती-घटना समाचार पत्र के शासकीय विज्ञापन को बाधित करने के निर्णय से समझा जा सकता है जो केवल इसलिए बाधित किया गया है क्योंकि दैनिक घटती-घटना ने सत्य का प्रकाशन किया है। लगातार वहीं स्वास्थ्य विभाग के भ्रष्टाचार को उजागर करने का काम किया है जो लगातार जारी भी है।

स्वास्थ्य विभाग में भी कोरिया जिला और सूरजपुर जिले का ही भ्रष्टाचार उजागर किया जा रहा था जो प्रभारी डीपीएम पहले कोरिया में पदस्थ थे वहीं अब सूरजपुर में पदस्थ हैं का ही विरोध प्रमुख था जिसके ही कारण दैनिक घटती-घटना का विज्ञापन बाधित किया गया है। वहीं इसके पीछे का कारण यह है कि प्रभारी डीपीएम वर्तमान में सूरजपुर वहीं कोरिया के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के भतीजा बताए जा रहे हैं ।

अब मामले में प्रदेश के मुख्यमंत्री से यह सवाल है कि क्या प्रदेश का जनसंपर्क विभाग समाचार-पत्रों पर दबाव बनाने के लिए ही गठित है ,क्या वह यदि सरकार की कमियां दिखाने वाली खबरें किसी समाचार-पत्र में पाया जायेगा तो तत्काल वह समाचार-पत्र का शासकीय विज्ञापन बाधित कर देगा । क्या इसीलिए जनसंपर्क विभाग कार्यरत है यह एक सवाल है प्रदेश के मुखिया से। वैसे जनसंपर्क विभाग का मूल कार्य यह होता है कि वह समाचार-पत्रों और सरकार के बीच संवाद स्थापित करे,यदि कहीं कोई अड़चन आ रही हो उसे बातचीत के रास्ते हल करावे लेकिन छत्तीसगढ़ में जनसंपर्क विभाग विपरीत कार्य कर रहा है। वह अब समाचार-पत्रों पर दबाव बनाने का कार्य कर रहा है और किसी भी स्थिति में समाचार-पत्र सरकार के मामले में कमियां न प्रकाशित करे यह उनका प्रयास है। वैसे देखा जाए तो यह लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का अपमान है। जनसंपर्क विभाग कहीं न कहीं लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को बाधित करने का कार्य कर रहा है।

प्रदेश में प्रदेश की जनता को सच जानने का अधिकार है की नहीं क्या सरकार की कमियां लोगों को जानने का अधिकार है की नहीं भ्रष्टाचार को लेकर लोगों के बीच बातें जानना जरूरी है की नहीं यह प्रदेश के मुखिया को बताना चाहिए । प्रदेश के मुखिया को यह स्पष्ट करना चाहिए की प्रदेश में लोकतंत्र का चौथा स्तंभ वही समाचार प्रकाशित करे जो उसे सरकार या जनसंपर्क प्रकाशित करने को कहे। वैसे स्थिति है ऐसी ही और सच लिखना मना ही हो चुका है विगत कई हफ्तों से दैनिक घटती-घटना का विज्ञापन बाधित है और लगातार वह कलम बंद अभियान चला रहा है फिर भी सरकार और मुख्यमंत्री मौन हैं और कहीं न कहीं उनकी सहमति ही है जो उनके मौन से प्रदर्शित हो रही है।

जनसंपर्क विभाग का काम काफी महत्वपूर्ण होता है सरकार के लिए जनसंपर्क विभाग का काम यह है कि वह शासन की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाए वहीं लोगों की समस्या सरकार तक पहुंचाए। सरकार की क्या उपलब्धि है क्या उसकी आगामी रणनीति है यह जनसंपर्क विभाग का काम है ।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जी...

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

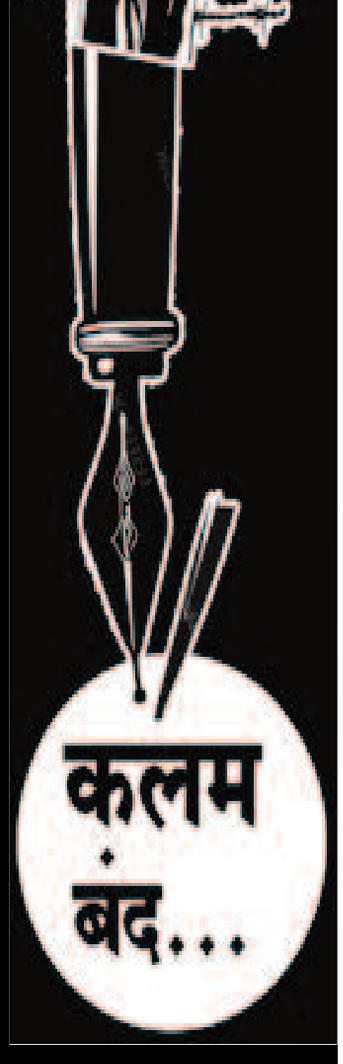

कलम बंद...का सत्रहवां दिन

?

कलम बंद...का सत्रहवां दिन

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर,16 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

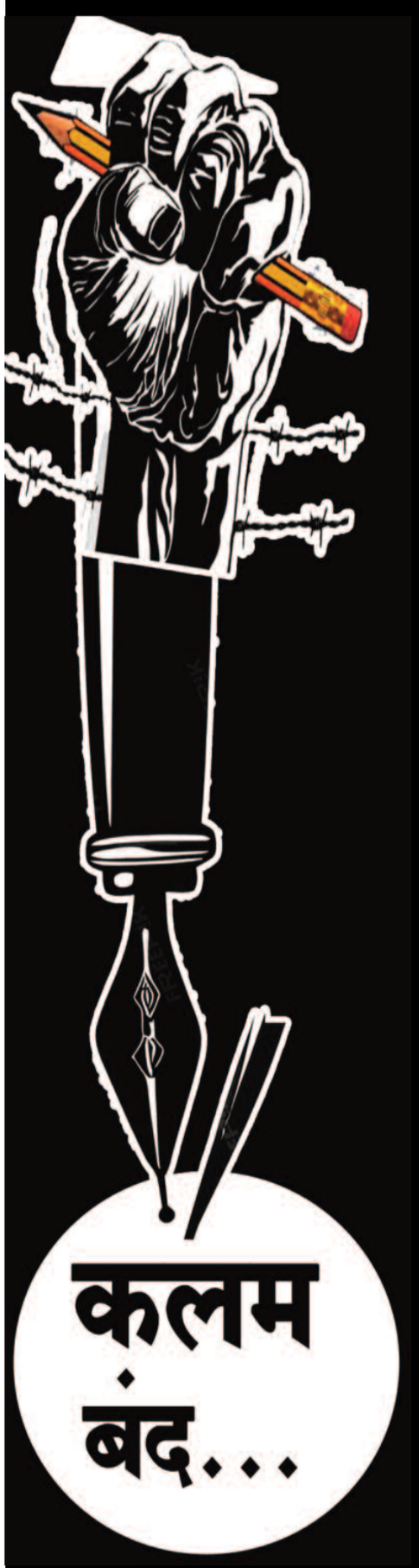

कलम बंद...का सत्रहवां दिन

कलम बंद...का सत्रहवां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,16 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है?

अम्बिकापुर,16 जुलाई 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

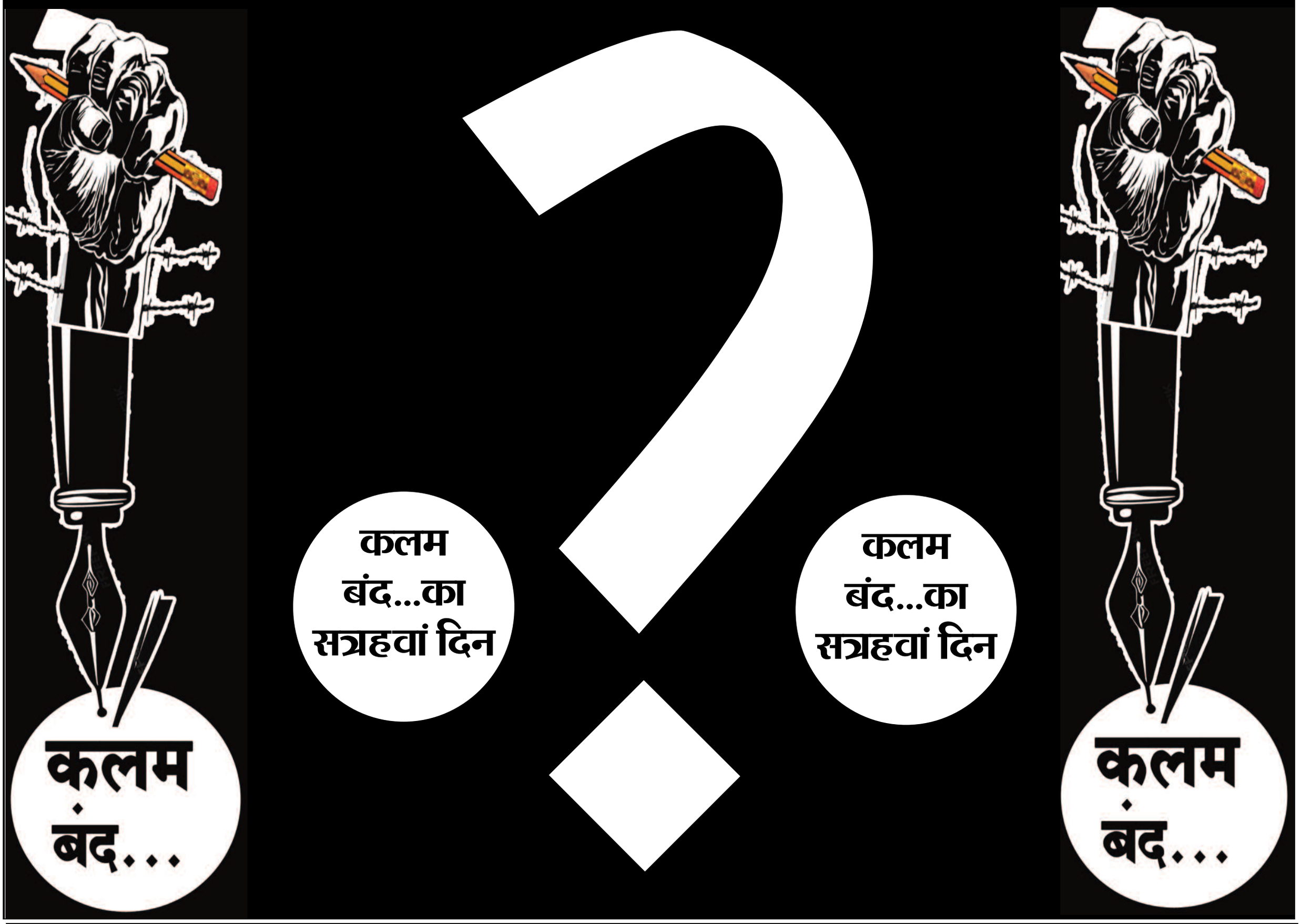

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर,16 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

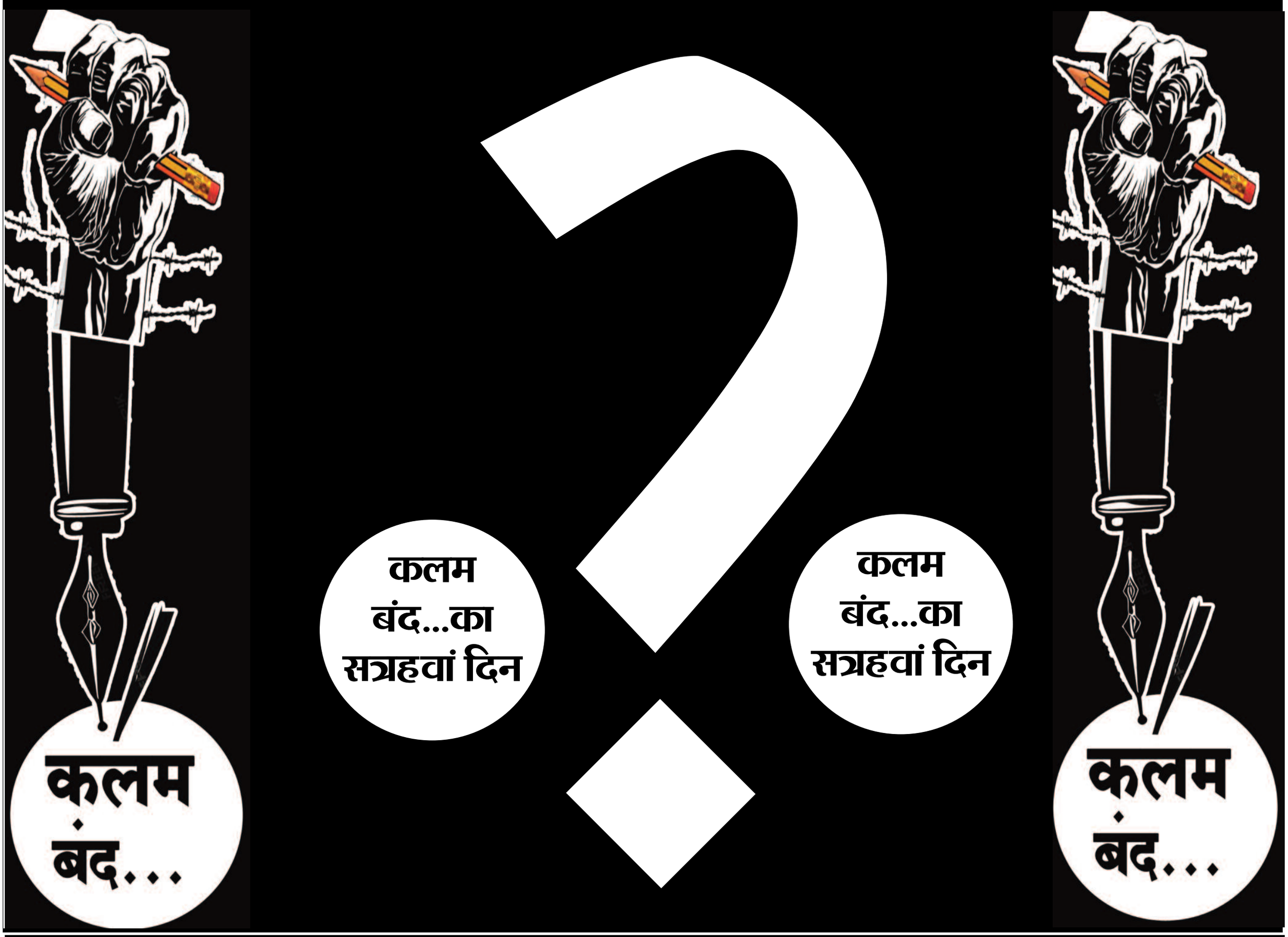

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

ओलंपिक खेलों को लेकर पाकिस्तान से आगे है भारत

» पेरिस ओलंपिक में भारत भेज रहा 118 खिलाड़ियों का बड़ा दल

नई दिल्ली,16 जुलाई 2024। पेरिस ओलंपिक की शुरुआत 26 जुलाई से हो रही है। खेलों का ये महाकुंभ 11 अगस्त तक चलेगा। इसमें दुनियाभर के एथलीट खेलते हुए दिखाई देंगे। ओलंपिक के लिए फैंस बहुत ही ज्यादा उत्साहित हैं। फ्रांस की राजधानी पेरिस में इस बार इवेंट्स की शुरुआत जहां 24 जुलाई से हो जाएगी तो वहीं 26 जुलाई को ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन किया जाएगा। दुनिया भर के करीब 10,500 एथीलट्स विभिन्न खेलों के इवेंट्स में हिस्सा लेने के लिए पहुंचेंगे। पेरिस ओलंपिक में खिलाड़ियों को भेजने के मामले में भारत अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान से काफी आगे है। पेरिस ओलंपिक में भारत लगभग 118 खिलाड़ियों का दल भेज रहा है। ये खिलाड़ी 16 स्पर्धाओं में मेडल के लिए खेलेंगे। ऐसा माना जा रहा है कि इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन ने खेल मंत्रालय को खिलाड़ियों की सूची सौंप दी है। इस बार भारतीय दल में 70 पुरुष और 48 महिला खिलाड़ी शामिल होने की उम्मीद है। सबसे बड़ा दल एथलेटिक्स में 30 एथलीटों का होगा। दूसरी तरफ टोक्यो ओलंपिक में भारत ने अपना सबसे बड़ा दल भेजा था। तब भारत की तरफ से भाग लेने के लिए 124 खिलाड़ी भेजे गए थे।

पाकिस्तान की तरफ से अरशद नदीम है पदक की सबसे बड़ी उम्मीद

पाकिस्तान ओलंपिक एसोसिएशन ने पेरिस ओलंपिक के दल की घोषणा की जिसमें सात एथलीट और चार कोच सहित 11 अधिकारी शामिल हैं। यानि पेरिस ओलंपिक में खिलाड़ी भेजने के मामले में भारत पाकिस्तान से कोसों आगे हैं। एथलेटिक्स में पाकिस्तान की सबसे अच्छी उम्मीद नदीम के अलावा, अन्य एथलीटों में निशानेबाज किशमाला तलत, धावक फैका रियाज और तैराक जहांनारा नबी शामिल हैं।

पेरिस ओलंपिक के लिए पाकिस्तानी दलः

एथलेटिक्सः अरशद नदीम, फैका रियाज, सलमान इकबाल बट (सपोर्ट स्टाफ), डॉ.अली शेर बाजवा (सहायक कर्मचारी); तैराकीः मोहम्मद अहमद दुर्रानी, जहांआरा नबी, अहमद अली खान (सपोर्ट स्टाफ); शूटिंगः गुलाम मुस्तफा बशीर, गुलफाम जोसेफ, किशमाला तलत), जुनैद अली (सपोर्ट स्टाफ), गेन्नेडी सोलोडोवनिकोव (सहायक स्टाफ)। **आकस्मिक अधिकारीः** मोहम्मद शफीक (शेफ डे मिशन), जावेद शमशाद लोधी (डिप्टी शेफ डे मिशन); जैनब शौकत (प्रशासनिक अधिकारी)।

संक्षिप्त खेल समाचार

घरेलू क्रिकेट को लेकर बीसीसीआई का फरमान

रोहित-कोहली और बुमराह को छोड़कर सभी को खेलना होगा डोमेस्टिक क्रिकेट

नई दिल्ली,16 जुलाई 2024। घरेलू क्रिकेट को नजरअंदाज करना खिलाड़ी को भारी पड़ सकता है। इससे पहले भी घरेलू क्रिकेट को नजरअंदाज करने पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड यानी बीसीसीआई ने इशान किशन और श्रेयस अय्यर पर कड़ा एक्शन लिया था। इस साल की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियो को बोर्ड ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर कर दिया था। बोर्ड इसे लेकर नरमी के मूड में नहीं है। हालांकि, कुछ खिलाड़ियों को इससे छूट देने का भी फैसला किया है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने स्पष्ट किया है कि स्टार क्रिकेटरों को भी राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने से फ्री होने पर घरेलू मैचों के लिए उपलब्ध रहना होगा। हालांकि, रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों को छूट दी जाएगी,इसका फैसला वे खुद करेंगे कि खेलना है या नहीं। बीसीसीआई चाहेगा कि इन तीनों खिलाड़ियों के अलावा अन्य सभी टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ी अगस्त में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैचों से पहले दलीप ट्रॉफी के कम से कम एक या दो मैच खेलें। दलीप ट्रॉफी के लिए क्षेत्रीय चयन समित के बजाय राष्ट्रीय चयन समिति ही चयन करेगी। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड से टेस्ट सीरीज घरेलू सरजमीं पर होनी है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिहाज से दोनों सीरीज अहम होंगी। इसके अलावा साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी जाना है।

रोहित-विराट के संन्यास पर बोले विक्रम राठौर

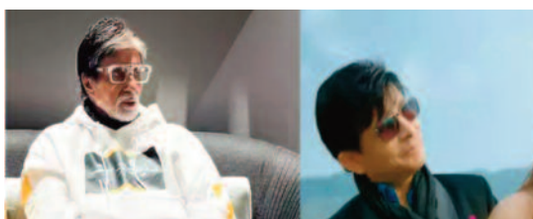

नई दिल्ली,16 जुलाई 2024। टीम इंडिया के पूर्व बैटिंग कोच विक्रम राठौर को अच्छे से पता है कि आने वाले समय में टीम इंडिया को ट्रांसिशन के मुश्किल दौर का सामना करना है। राठौर ने हालांकि, ये भी कहा कि टीम इंडिया के पास जिस तरह से युवा खिलाड़ी हैं, उससे टीम को बदलाव के दौर से निपटने में सक्षम है। इस दौरान इस पूर्व टेस्ट क्रिकेटर ने ये भी कहा कि हालांकि, बदलाव के दौर नियंत्रित तरीके से धीरे-धीरे होना चाहिए। विराट कोहली और रोहित शर्मा फिलहाल वनडे इंटरनेशनल और टेस्ट क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे लेकिन अगले कुछ सालों में बदलाव का दौर आएगा जब ये अपने कैरियर के आखिरी चरण में होंगे।

कौन बनेगा टी 20 में टीम इंडिया का कप्तान

» सूर्यकुमार यादव काट सकता है हार्दिक पांड्या का पत्ता

नई दिल्ली,16 जुलाई 2024। टी 20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीतने के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने टी 20 इंटरनेशनल से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया है। अब टीम इंडिया नई सीरीज के लिए तैयार हो रही है। लेकिन इस बीच सबसे बड़ा सवाल ये है कि टी 20 इंटरनेशनल में भारतीय टीम का अगला कप्तान कौन होगा। वैसे तो सबसे बड़े दावेदार हार्दिक पांड्या ही माने जा रहे हैं, लेकिन अब जो खबरें सामने आ रही हैं, उससे पता चलता है कि हार्दिक पांड्या का पत्ता कट भी सकता है। यानी हो सकता है कि वे टी 20 में भारतीय टीम के परमानेंट कप्तान न हों। बीसीसीआई इस पूरे मामले को लेकर जल्द ही फैसला कर सकता है।

रोहित शर्मा के बाद हार्दिक पांड्या सबसे बड़े दावेदार

रोहित शर्मा के टी 20 इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट के बाद अब बीसीसीआई के सामने सबसे बड़ा सवाल ये है कि भारतीय टीम का अगला कप्तान इस फॉर्मेट में कौन होगा। रोहित शर्मा अभी वनडे और टेस्ट खेल रहे हैं, इसलिए वहां तो टीम को लीड वही करेंगे, लेकिन टी 20 का मामला फंसा हुआ है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टी 20 वर्ल्ड कप की टीम में हार्दिक पांड्या उपकप्तान थे, यानी पहला दावा तो उन्हीं का बन रहा है। हालांकि इससे पहले भी वे टीम की कप्तानी करते आए हैं। इतना ही नहीं, ये भी माना जा रहा था कि टी 20 वर्ल्ड कप 2024 में भी हार्दिक ही कप्तान होंगे, लेकिन इस बीच उनकी फिटनेस ठीक नहीं थी, इसलिए लंबे समय बाद न केवल रोहित शर्मा की बतौर कप्तान टी 20 इंटरनेशनल में वापसी होती है, बल्कि विराट कोहली भी वापसी करते हैं। इस बीच हार्दिक पांड्या को टीम इंडिया का नया और परमानेंट कप्तान बनने से पहले बीसीसीआई में एकमत नहीं है। यानी इस मामले में एकराय नहीं है।

सूर्यकुमार यादव भी बने नए कप्तान के दावेदार

इस बीच कप्तानी के नए दावेदार के तौर पर सूर्यकुमार यादव का नाम भी सामने आ चुका है। टीम इंडिया श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज खेलने जाने वाली है। जल्द ही इसके लिए टीम का ऐलान किया जाना है। इस सीरीज के लिए हार्दिक पांड्या कप्तान हो सकते हैं, लेकिन इसके बाद भी वे बतौर कप्तान ही अपनी पारी जारी रखेंगे, इसको लेकर शक है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है कि हार्दिक पांड्या की फिटनेस को लेकर आने वाली दिक्कतों की वजह से सूर्यकुमार यादव का नाम अचानक से परमानेंट कप्तान के तौर पर सामने आ गया है। कप्तानी किसे सौंपी जाएगी, इसमें बीसीसीआई की सेलेक्शन कमेटी के अलावा नए कोच बने गौतम गंभीर भी अहम भूमिका निभाते हुए नजर आ सकते हैं।

फिटनेस टेस्ट पास नहीं कर सके लियोनेल मेसी

ब्यूनस आयर्स,16 जुलाई 2024। अपने करियर में पहली बार फुलटाइम से पहले कोपा अमेरिका फाइनल से चोट के कारण बाहर हुए लियोनेल मेसी अपने आंसुओं पर काबू नहीं रख सके और अपने 'आखिरी किले' में से एक फतेह करने के बावजूद वह फिटनेस टेस्ट पास नहीं कर पाए। मेसी को पैर की चोट के कारण कोलंबिया के खिलाफ फाइनल मैच से 64वें मिनट में बाहर जाना पड़ा। अर्जेंटीना ने लगातार दूसरी बार कोपा अमेरिका खिताब जीता। मेसी के फिटनेस टेस्ट में नाकाम रहने के कारण 2026 विश्व कप में उनकी भागीदारी को लेकर भी अनिश्चितता की स्थिति है। 37 साल के मेसी चोट के कारण पिछले साल इंटर मियामी और अर्जेंटीना के काफी मैचों से बाहर रहे थे।

हरमनप्रीत सिंह की हॉकी टीम उतरेगी पेरिस ओलंपिक में

नई दिल्ली,16 जुलाई 2024। ओलंपिक खेल एक बार फिर से शुरू होने वाले हैं। अब इसके आगाज में केवल 10 ही दिन का वक्त बाकी है। भारतीय खिलाड़ी फिर से मेडल जीतने की अपनी अपनी तैयारी में जुटे हैं। बात अगर हॉकी की करें तो इस खेल में शुरुआत से ही भारत का परचम लहराया है। 2024 में हरमनप्रीत सिंह के हाथ में हॉकी टीम की कमान है और पूरी टीम काफी मजबूत नजर आ रही है। हॉकी में भारतीय टीम के सफर का आगाज 27 जुलाई से होगा, जब भारतीय टीम न्यूजीलैंड से भिड़ती हुई दिखाई देगी।

पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भारत की हॉकी टीम

गोलकीपरः पीआर श्रीजेश
डिफेंडरः जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय
मिडफील्डरः राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद
फॉरवर्डः अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, मंदीप सिंह, गुरजंत सिंह
वैकल्पिक खिलाड़ीः नीलकांत शर्मा, जुगराज सिंह, कृष्ण बहादुर पाठक

पेरिस ओलंपिक में भारत का शेड्यूल

27 जुलाई-भारत बनाम न्यूजीलैंड-रात 9 बजे
29 जुलाई-भारत बनाम अर्जेंटीना-शाम 4:15 बजे
30 जुलाई-भारत बनाम आयरलैंड-शाम 4:45 बजे
1 अगस्त-भारत बनाम बेल्जियम-दोपहर 1:30 बजे
2 अगस्त-भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया-शाम 4:45 बजे

ऐसी क्या मजबूरी थी सर ?

अमिताभ बच्चन ने केआरके के नए गाने को लेकर किया ये पोस्ट

अमिताभ बच्चन ने आज मंगलवार को एक पोस्ट किया, जिसमें कमाल आर खान के नए गाने मेरे साथिया का पोस्टर दिख रहा है। अमिताभ ने इस पोस्टर को शेयर कर मेकर्स को शुभकामनाएं दी हैं। हालांकि, अमिताभ के इस पोस्ट को देखकर लोग चौंक गए हैं। लोग इस पोस्ट को देखकर हैरान हैं कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि अमिताभ को केआरके का गाना प्रमोट करना पड़ रहा है।अमिताभ ने टीम को बधाई देते हुए अपने इस पोस्ट में लिखा है, टी-सीरीज़ का गाना मेरे साथिया लॉन्च हुआ, जिसे अंकित तिवारी ने गाया है और डीजे शेज़वुड ने कम्पोज किया है। कलाकार केआरके, रक्षिका शर्मा और कीया शर्मा हैं।

सृति झा उसी जगह मना रहीं छुट्टी जहां दिव्यांका त्रिपाठी संग हुई लूटपाट

टेलीविजन इंडस्ट्री की फेमस हीरोइनों में से एक सृति झा इन दिनों अपने शो कैसे मुझे तुम मिल गए से दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। शो को खूब तारीफ मिल रही है, खासकर सृति और अरिजीत तनेजा के बीच की केमिस्ट्री के लिए। हाल ही में, सृति ने पोसिटानो, इटली से एक शानदार छुट्टियों की तस्वीरें शेयर कीं। कुमकुम भाग्य एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पहाड़ों, समंदर और नीले आसमान के साथ एक स्टाइलिश ड्रेस में अपनी फोटो शेयर की। फैंस ने कमेंट सेक्शन में तारीफों की बाढ़ ला दी। एक फैन ने लिखा, खूबसूरत नजारे वाली खूबसूरत लड़की। एक ने कहा- सुंदर लड़की!! मैं तुमसे नज़रें नहीं हटा पा रहा हूं। बता दें कि सृति उसी जगह पर गई हैं जहां दिव्यांका त्रिपाठी के साथ इटली में लूटपाट हुई है।

मुन्ना भैया की आत्मा माफ नहीं करेगी आपको सीएम साहिबा

बहते पानी में नहाती माधुरी भाभी को देख बोली जनता

लंबे इंतजार के बाद मिर्जापुर 3 हाल ही में 5 जुलाई को ओटीटी पर रिलीज हुआ। इसी के साथ इस सीजन को लेकर मिला-जुला रिएक्शन लोगों ने दिया। हालांकि, जहां इस सीजन में मुन्ना भैया के किरदार की कमी लोगों को खली वहीं उनकी पत्नी के किरदार में सीएम की कुर्सी पर माधुरी भाभी यानी ईशा तलवार ने खूब रौनक बिखेरी। माधुरी भाभी ने मिर्जापुर की गर्दी का वर्चस्व ही खत्म करने की ठान ली और इसके लिए उन्होंने सही-गलत सबकुछ किया है। अब इस वक्त उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सुर्खियों में है।ईशा तलवार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ये वीडियो शेयर किया है जिसमें वह नदी के बहते पानी में लेटी हुई और नहाती दिख रही हैं। ठंडे पानी की धार का लुत्फ

उठातीं माधुरी भाभी को यूं देखकर लोगों ने भी काफी सारे कॉमेंट किए हैं।

गद्दी का वर्चस्व खत्म करने के बाद सीएम साहिबा

एक यूजर ने लिखा है- गद्दी का वर्चस्व खत्म करने के बाद सीएम साहिबा। एक और ने कहा- सुबह-सुबह नहाने चली गई, बह मत जाना नहीं तो सरकार गिर जाएगी। वहीं कुछ ने कहा है- मुन्ना भैया का सदमा? एक ने सवाल पूछा है- कानों में पानी नहीं जाता ऐसा करने से? वहीं कुछ ने सीजन में बदलते रिश्ते को लेकर कहा है- शरद शुक्ला के इतने करीब क्यों जाते हो, मुन्ना भैया की आत्मा माफ नहीं करेगी आपको। एक ने लिखा-माधुरी भाभी से चक्कर, मतलब मौत से टक्कर।

ईशा तलवार की कमाल की एक्टिंग ने लोगों को इम्प्रेस किया

बता दें कि माधुरी भाभी यानी ईशा तलवार की कमाल की एक्टिंग ने लोगों को इम्प्रेस किया है। उनके मासूम किरदार ने इस शो में बड़े-बड़े फैसले लिए, जिसने कालीन भैया से लेकर बीना भाभी तक को हैरान किया है। ईशा तलवार सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहा करती हैं।

अब घर बैठे देखिए पृथ्वीराज सुकुमारन की वो फिल्म जो जीने की सोच बदल देगी

इसी साल मार्च के महीने में पृथ्वीराज सुकुमारन की एक ऐसी फिल्म रिलीज हुई, जिसमें उन्हें देखकर हर कोई दंग रह गया। सलार का वर्धराज मन्नार का ऐसा रूप जो दिमाग घुमा दे। आंखों में अंतहीन संघर्ष, कंकाल जैसा शरीर, बढ़े हुए बाल... ब्लेसी के डायरेक्शन में बनी आडुजीवितम- द गोट लाइफ को बनने में 16 साल लगे और यकीनन फिल्म के ट्रेलर को देखकर इसका एहसास हो जाता है। आडुजीवितम एक सर्वाइवल थ्रलिर-ड्रमा है। यह केरल के रहने वाले मोहम्मद नजीब की असल जिंदगी पर आधारित है। रेत की मजदूरी करता नजीब अपने परिवार के बेहतर भविष्य के लिए सऊदी अरब पहुंचता है। साथ में उसका एक दोस्त भी है। टिकट और वीजा के लिए अपना सबकुछ गिरवी रख देता है। लेकिन एयरपोर्ट पर कुछ गड़बड़ी होती है और वह दूसरे ग्रूप के साथ रेत के समंदर के बीच पहुंच जाता है। वहां उसे चरवाहे का काम मिलता है। कैम्प में दोस्त भी बिछड़ जाता है। नजीब वहां किसी तरह बच निकलने की कोशिश करता है, लेकिन उस पर गोलियां बरसाई जाती हैं, मारा-पीटा जाता है और उसका एक पैर टूट जाता है। उस रेगिस्तान में मोहम्मद नजीब की जिंदगी जानवरों से भी बदतर हो जाती है। मगर तीन साल तक यातना झेलकर, रेगिस्तान पर एक-एक बूंद के लिए तरसते हुए वह घर लौटने की राह पर निकल पड़ता है।

न्यायालय नायब तहसीलदार उप तहसील जरही, तहसील-प्रतापपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)
//ईश्तहार//
रा.प्र.क्र.

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक इन्दकुंवर आ0 बलदेव जाति गोंड़ निवासी ग्राम पंचायत दुरती उप तहसील-जरही,तहसील प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा अपना स्वयं इन्दकुंवर आ0 बलदेव का जन्म दिनांक 24/03/1989 को ग्राम पंचायत दुरती में घर पर होने का लेख कर जन्म प्रमाण पत्र बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया।

अतः इसमें किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 18/07/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति मान्य नहीं किया जायेगा।

यह उद्घोषणा मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पदमुद्रा से आज दिनांक 25/06/2024 को जारी किया गया।

सील — **नायब तहसीलदार उप तहसील जरही, प्रतापपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)**

न्यायालय नायब तहसीलदार उप तहसील जरही, तहसील-प्रतापपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)
//ईश्तहार//
रा.प्र.क्र.

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मुन्ना आ0 राम प्रसाद जाति बरगाह निवासी ग्राम पंचायत दुरती उप तहसील-जरही,तहसील प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा अपना स्वयं मुन्ना आ0 रामप्रसाद का जन्म दिनांक 01/01/1984 को ग्राम पंचायत दुरती में घर पर होने का लेख कर जन्म प्रमाण पत्र बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया।

अतः इसमें किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 18/07/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति मान्य नहीं किया जायेगा।

यह उद्घोषणा मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पदमुद्रा से आज दिनांक 25/06/2024 को जारी किया गया।

सील — **नायब तहसीलदार उप तहसील जरही, प्रतापपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)**

न्यायालय नायब तहसीलदार उप तहसील जरही, तहसील-प्रतापपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)
//ईश्तहार//
रा.प्र.क्र.

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक ललित कुमार आ0 केशव प्रसाद जाति नाई निवासी ग्राम सेन्धोपारा उप तहसील-जरही,तहसील प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा अपना स्वयं ललित कुमार आ0 केशव प्रसाद का जन्म दिनांक 07/03/1999 को ग्राम सेन्धोपारा में घर पर होने का लेख कर जन्म प्रमाण पत्र बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया।

अतः इसमें किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 18/07/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति मान्य नहीं किया जायेगा।

यह उद्घोषणा मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पदमुद्रा से आज दिनांक 25/06/2024 को जारी किया गया।

सील — **नायब तहसीलदार उप तहसील जरही, प्रतापपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)**

न्यायालय नायब तहसीलदार उप तहसील जरही, तहसील-प्रतापपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)
//ईश्तहार//
रा.प्र.क्र.

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दिलेश्वर प्रसाद आ0 केशव प्रसाद जाति नाई निवासी ग्राम सेन्धोपारा उप तहसील-जरही,तहसील प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा अपना स्वयं दिलेश्वर प्रसाद आ0 केशव प्रसाद का जन्म दिनांक 03/05/1989 को ग्राम सेन्धोपारा में घर पर होने का लेख कर जन्म प्रमाण पत्र बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया।

अतः इसमें किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 18/07/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति मान्य नहीं किया जायेगा।

यह उद्घोषणा मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पदमुद्रा से आज दिनांक 25/06/2024 को जारी किया गया।

सील — **नायब तहसीलदार उप तहसील जरही, प्रतापपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)**

न्यायालय नजूल अधिकारी,अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)
रा.प्र.क्र. ब-121/2023-24
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रियांशु केशरी आ0स्व0 कृष्णा कुमार केशरी निवासी बनारस रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा के द्वारा मोहल्ला बनारस रोड तहसील अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 43/9 रकबा 110.00 वर्गमीटर भूमि से प्रस्तावित नक्शानुसार भू-तल पर रकबा 61.19 वर्गमीटर, प्रथम तल पर रकबा61.19 वर्गमीटर पर आवासीय भवन निर्माण कराने की अनुमति हेतु आवेदन भवन निर्माण अनुज्ञा शाखा में प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा /आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 31/07/2024 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — **नजूल अधिकारी अम्बिकापुर**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)सक्षम प्राधिकारी ,सूरजपुर , जिला-सूरजपुर (छ0ग0)
रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24
ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-तिलसिवां को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती सवित्री पुत्री श्री रामऔतार राम, उम्र लगभग 57 वर्ष जाति कुर्मी निवासी ग्राम सूरजपुर, थाना व तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)द्वारा उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम तिलसिवां प.ह.न. 07, तहसील सूरजपुर स्थित खसरा क्रमांक 1016,1017 रकबा क्रमशः 0.012, 0.024 हे0 भूमि का व्यपवर्तन आदेश रा.प्र.क्र. 315/अ-2/2013-14 में पारित आदेश दिनांक 08/09/2014 को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किया गया है परंतु आवेदिका द्वारा उक्त भूमि को आवासीय प्रयोजन से बदलकर व्यावसायिक प्रयोजन में व्यपवर्तित कराने हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस सम्बंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि माध्यम से दिनांक 29/7/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 15/07/2024 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — **विशेष कर्त्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन सूरजपुर**

खुला पत्र

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग के संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...के पन्द्रहवें दिन भी केंद्र सरकार से अनुमोदित विज्ञापन नियमावली के आदेश को ठेंगा दिखाने वाले जनसंपर्क विभाग के द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के पीछे किसका हाथ...

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी?

क्यां छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?

क्यूं न लिखें सच?

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी 25 जून को संविधान हत्या दिवस छत्तीसगढ़ में नहीं मनाया जायेगा क्या?
इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया जा रहा है जुर्म...?
क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...
अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)